दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 31.08.2022

प्रकाशनार्थ

31 अगस्त, 2022 गोरखपुर। "अंग्रेजी उपनिवेश से भारत की स्वतन्त्रता मिली वह वास्तविक नहीं थी बल्कि अंग्रेजों और कांग्रेस के बीच एक ऐसा समझौता था जिसमें कुछ शर्तों के साथ सत्ता का हस्तान्तरण हुआ है। कांग्रेस में भी आम जनमानस की दृष्टि में देश का नेतृत्व सरदार बल्लभ भाई पटेल को मिलना चाहिए लेकिन गॉधी जी के हस्तक्षेप के कारण जवाहर लाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया और अंतरिम सरकार में प्रधानमंत्री बनाया गया। एक लम्बे कार्यकाल तक कांग्रेस शासित देश में चाटुकारों का बोलवाला रहा और उन्हीं के अनुसार भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास को अपने अनुसार लेखन किया गया। 15 अगस्त को आजादी नहीं मिली जबकि देश इस असत्य से अब भी परिचित नहीं हो पाया। आज वास्तविक परिचय कराने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जो संस्थाएं सत्य को छिपाती है, सत्य बोलने का साहस नहीं करती है वो स्वतः नष्ट हो जाती है। आज कांग्रेस की वही स्थिति है।"

उक्त बाते दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में **मुख्य वक्ता श्री पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ, वरिष्ठ राष्ट्रवादी विचारक व पत्रकार, नई दिल्ली** ने युगपुरूष महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान माला के समापन अवसर पर **"राष्ट्रवाद के समक्ष चुनौतियाँ" विषय पर** विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने गॉधी को राष्ट्रपिता कहने पर भी प्रश्नचिन्ह लगाया। क्योंकि एक संदिग्ध व्यक्ति जो सुभाष चन्द्रबोस और सरदार पटेल जैसे नेतृत्व को नकारता रहा, उसे राष्ट्रपिता कैसे कहा जाये। उन्होंने महर्षि वेदव्यास को भारत के राष्ट्रपिता के रूप में स्वीकारा। उन्होंने वीर सावरकर के योगदान को भी सराहा। उन्होंने विद्यार्थियों को अभिप्रेरित करते हुए कहा कि जब समाज व राष्ट्र सरकारों पर निर्भर हो जाती है, उसी समय राष्ट्र समाप्त हो जाता है। इसलिए आज के युवा कैरियर की चिन्ता किये बिना सत्य सुने और सत्य बोले अन्यथा राष्ट्र समाप्त हो जायेगा। उन्होंने आगे कहा कि हमें मजहब और धर्म में अन्तर समझना होगा। धर्म को उन्होंने कर्तव्य और दायित्व से जोड़ा। हमारे संस्कृति में धर्म कर्तव्यबोध का परिचायक है। उन्होंने मुस्लिम धर्म में व्याप्त कुरीतियों विसंगतियों से प्रभावित हो रहे सनातन धर्म को बचाने की बात कही क्योंकि उनके धर्म में शांति की कोई जगह नही है जबकि सनातन धर्म विश्वशांति की बात करता है। सनातन का अर्थ विज्ञान है। उन्होंने हिन्दू धर्म से जुड़े आस्था के केन्द्रो एवं प्रकृति पूजा को वैज्ञानिक बताया और भारत में स्थापित ज्योतिर्लिंगो का रेडियोसेन्सटिव रेज को कम करने के लिए स्थापित माना और पीपल के वृक्ष के रूप की महत्ता को भी रेखाकिंत किया। उन्होंने कहा कि मुगलों और अंग्रेजी शासन से लंबे समय तक प्रभावित होती रही हमारी संस्कृति के वैभव को फिर से लाने एवं लोगो में चेतना को जागृत करने में गोरक्षपीठ की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। इस पीठ से जुड़े संतो ने राष्ट्रीय चेतना को जगाया और सनातन धर्म, संस्कृति का संरक्षण किया। इस पीठ से जुड़े वर्तमान पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के प्रति दृढ़ संकल्प होकर सुशासन स्थापित कर रहे है।

मुख्य अतिथि प्रो. आर.एस.तोमर पूर्व विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ने कहा कि हमारे राष्ट्र की संस्कृति, सभ्यता और ज्ञान दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। गुलामी के समय विदेशी आक्रांताओं ने इस पर आघात पहुचाने का कुत्सित प्रयास किया। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द के सांस्कृतिक, राष्ट्रवाद और स्वामी दयानन्द सरस्वती के वेदों की ओर लोटो की उक्ति पर जोर देते हुए कहा कि अपनी प्राचीन आध्यात्म, विज्ञान, कला, संस्कृति की परम्परा संमृद्ध रहा है। उसी का आज अनुसरण करके फिर अपने वैभव को स्थापित करने का प्रयास हो रहा है और आज लोगों ने पंतजलि के योग को समझा है। पूरी दुनिया योग के माध्यम से अपने शारीरिक व मानसिक विकारों को दूर करने में लगी है

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि सनातन वह है जो हमेशा अपनी प्रासंगिकता को बनाए रखें सनातन धर्म की रक्षा के लिए हमेशा धर्म का पालन करना होगा इस राष्ट्र को विश्व में महाशक्ति बनाने के लिए स्वधर्म का पालन करना अनिवार्य है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. सत्यपाल सिंह एवं आभार ज्ञापन प्रो. अर्चना सिंह ने किया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. संजीव सिंह, प्रो. परीक्षित सिंह, डॉ. सत्येन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. शशिप्रभा सिंह, डॉ. शैलेश कुमार सिंह, डॉ. अरूण तिवारी सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा छात्र–छात्राऍ उपस्थित रहें।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी
सूचना एवं जनसम्पर्क
मो.न. –7068266101